नई दिल्ली > शुक्रवार, 18 दिसंबर 2020 > मार्गशीर्ष 27 शक 1942 मार्गशीर्ष शुक्ला चतुर्थी विक्रम संवत 2077

YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

वर्ष 74, संख्या 301 > पेज 22* > नोएडा > मूल्य 3.00 या 7.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

NBT
नवभारत टाइम्स

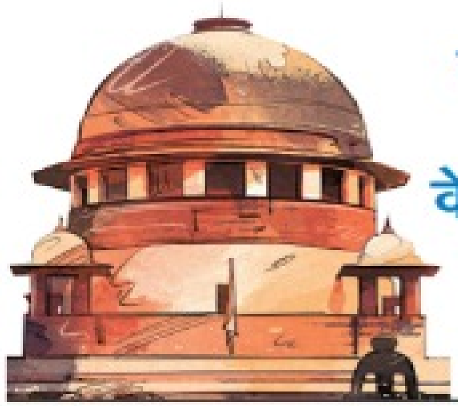

कोर्ट ने खेती कानूनों पर केंद्र से ठहरने को कहा

देखें अंदर

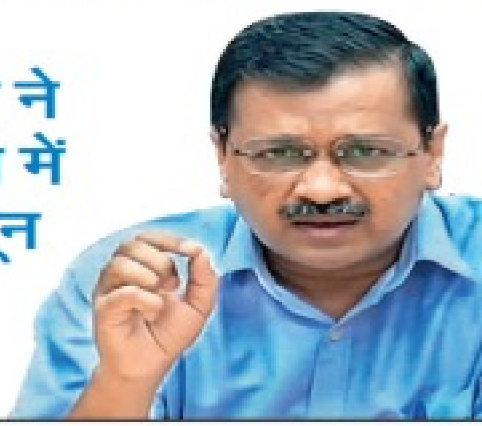

केजरीवाल ने विधानसभा में फाड़ी कानून की कॉपी

देखें अंदर

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने लॉन्च किया हवाई अड्डे का लोगो, काम जल्द शुरू करने के निर्देश

उड़ता हंस होगा जेवर के इंटरनैशनल एयरपोर्ट की पहचान

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

उड़ता हुआ हंस जेवर के इंटरनैशनल एयरपोर्ट की पहचान बनेगा। गुरुवार को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट के लोगो को लॉन्च कर दिया। यह लोगो उड़ते हुए हंस, तकनीक और ग्लोबल कनेक्टिविटी के मेल से बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने लोगो लॉन्चिंग और समीक्षा बैठक कर परियोजना पर जल्द काम शुरू कराने को कहा है। इसके लिए सभी औपचारिकताओं को टाइम लाइन के अनुसार पूरा कराने का निर्देश दिया गया है। सीएम की मंशा है कि परियोजना में किसी भी तरह की देरी न हो और यह तय समय से पहले बनकर तैयार हो जाए। इसके लिए निर्माण करने वाली कंपनी ज्यूरिख इंटरनैशनल को हर संभव मदद करने को कहा गया है। चर्चा है कि कुछ ही दिनों में इसका शिलान्यास भी होना है। यह कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों कराया जा सकता है। इससे पहले नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) के अधिकारियों ने एयरपोर्ट का प्रतीक चिह्न सीएम के सामने पेश कर उसके बारे में जानकारी दी गई। यीडा एवं नियाल के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि उड़ता हुआ हंस के प्रतीक को तीन खूबियों के तालमेल से बनाया गया है। यह उड़ता हुए हंस, तकनीक और दुनिया से कनेक्टिविटी के मेल से बनाया गया है। यही जेवर एयरपोर्ट की पहचान बनेगा।

एयरपोर्ट के मास्टरप्लान को परीक्षण के लिए केंद्र सरकार के नागर विमानन मंत्रालय को भेजा जा चुका है

सरकार की प्राथमिकता में परियोजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य सरकार आम आदमी को खास सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज की यात्रा करे। राज्य सरकार इसे साकार करेगी। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत को लाभान्वित करेगा। यह राज्य का ग्रोथ इंजन साबित होगा। यह परियोजना सरकार की प्राथमिकता में है। इससे पहले ज्यूरिख के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुतिकरण दिया। नियाल के अधिकारियों ने कहा कि 29,650 करोड़ की लागत से बनने वाले जेवर एयरपोर्ट के लिए 1334 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत कर ली गई है। एयरपोर्ट के मास्टर प्लान को परीक्षण के लिए केंद्र सरकार के नागर विमानन मंत्रालय को भेजा जा चुका है।

- यह लोगो तकनीक और ग्लोबल कनेक्टिविटी के मेल से बनाया गया है
- निर्माण करने वाली कंपनी को हरसंभव मदद करने के लिए सीएम ने कहा
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों कराया जा सकता है इस प्रॉजेक्ट का शिलान्यास
- 29,650 करोड़ से बनने वाले एयरपोर्ट के लिए 1334 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत की है

मास्टरप्लान पास होने के बाद होगा शिलान्यास

लखनऊ में हुए इस आयोजन में शामिल होने के लिए यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह व उनकी टीम बुधवार को ही लखनऊ पहुंच गई थी। यूपी के अपर मुख्य सचिव (नागरिक उड्डयन) एसपी गोयल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। ज्यूरिख के अफसरों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की और कुछ मसलों में मदद की मांग की। बुधवार को लखनऊ में ही हुई नियाल की आठवीं बोर्ड बैठक में भी परियोजना की समीक्षा की गई थी। मास्टरप्लान पास होने के बाद निर्माण के लिए शिलान्यास का कार्यक्रम तय होगा। 2023 में एयरपोर्ट चालू करने का लक्ष्य है। शुरुआत एक रनवे से की जाएगी। बाद में यहां कुल पांच रनवे बनेंगे। दो रनवे के लिए जमीन ली जा चुकी है। शेष परियोजना के लिए अधिग्रहण की तैयारियां चल रही हैं।